

प्रदेश में शुरू होंगी 2,200 करोड़ की जलमार्ग योजनाएं : सोनोवाल

जागरण संवाददाता, वाराणसी : पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने गुरुवार को काशी में देश के पहले स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन-सेल जलयान के वाणिज्यिक संचालन की शुरुआत की। सोनोवाल ने कहा कि प्रदेश में जलमार्ग विकास के लिए 300 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं, जबकि आने वाले वर्षों में 2,200 करोड़ की योजनाएं शुरू की जाएंगी। हाइड्रोजन पोत पहल पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के अंतर्देशीय जलमार्गों के आधुनिकीकरण का हिस्सा है, जिन्होंने स्वच्छ परिवहन, बेहतर कनेक्टिविटी और सार्वजनिक सुविधा को बढ़ाने को प्राथमिकता दी है। वह हाइड्रोजन जलयान को हरी झंडी दिखाते से पहले नमो घाट पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन-संचालित पोत देश की बढ़ती तकनीकी क्षमता और टिकाऊ ऊर्जा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह सिर्फ तकनीकी प्रगति



केंद्रीय जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल।

- काशी में देश के पहले स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन चालित यात्री जलयान की सेवा आरंभ
- कहा-अंतर्देशीय जलमार्गों पर कार्गो यातायात 80 मिलियन टन से बढ़कर 145 एमटी से अधिक

नहीं, बल्कि संकेत है कि हरित ऊर्जा और स्वदेशी समाधानों की ओर आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहे हैं। गौरव का विषय है कि भारत अब चीन, नावे, नीदरलैंड और जापान जैसे देशों के साथ खड़ा हो गया है जो हाइड्रोजन-चालित पोतों का संचालन करते हैं। हाइड्रोजन इंजन उभरती हुई तकनीक है, जो



वाराणसी में नमो घाट पर हाइड्रोजन चालित जलयान ● जागरण

शून्य उत्सर्जन के साथ स्वच्छ, टिकाऊ ऊर्जा प्रदान करती है, हालांकि व्यावसायिक रूप से पूरी तरह अपनाने के पहले अनुसंधान और परीक्षण जारी हैं।

बीते एक दशक में राष्ट्रीय जलमार्गों की संख्या पांच से बढ़कर 111 हो गई है। अंतर्देशीय

जलमार्गों पर कार्गो यातायात 2014 में 80 मिलियन (आठ करोड़) टन से बढ़कर 145 मिलियन (14.5 करोड़) टन से अधिक हो गया है। 13 जलमार्गों पर पर्यटन गतिविधियां चालू हैं। इस परिवर्तन की नाव जलमार्ग विकास परियोजना ने रखी थी, जिसने मल्टीमाडल टर्मिनलों,

उन्नत उपकरणों और सामुदायिक घाटों के साथ राष्ट्रीय जलमार्ग-1 पर हल्द्वारी से वाराणसी तक आधुनिक नेविगेशन कॉरिडोर बनाया।

मंत्रियों और अधिकारियों ने नमोघाट से ललिता घाट तक किया: जलयान से केंद्रीय जलमार्ग मंत्री समेत परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह,

आवुष, खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्रा 'दयालु' और स्टॉप एवं न्यायालय शुल्क व पंजीकरण राज्य मंत्री रवींद्र जायसवाल और अधिकारियों ने नमो घाट से ललिता घाट तक गंगा में पांच किमी की यात्रा की। जलयान वाटर टैक्सी के रूप में सुबह 10 से रात आठ बजे तक नमोघाट से रविदासघाट के बीच चलाया जाएगा।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने इसे डिजाइन व निर्माण किया है। यातायातकृतित 24 मीटर लंबे जलयान में 50 यात्रियों को बैठने की क्षमता है। 6.5 समुद्री मील की अधिकतम गति होगी। हाईब्रिड ऊर्जा प्रणाली में हाइड्रोजन ईंधन सेल, बैटरी और सौर ऊर्जा का संयोजन है। एक बार हाइड्रोजन भरने पर यह आठ घंटे तक चल सकेगा। यात्रियों और तीर्थयात्रियों के लिए शोर-मुक्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। धुआं मुक्त, प्रदूषण मुक्त और जलमार्गों के माध्यम से तेज आवागमन से सड़क पर भीड़भाड़ में कमी आएगी।